RESEARCH REVIEW JOURNALS

RESEARCH REVIEW

International Journal of Multidisciplinary

[Peer Reviewed Journal]

e-ISSN: 2455-3085

Impact Factor: 5.164 [SJIF]

Journal is Indexed in

Google Scholar, IIJIF, SJIFactor, RESEARCH BIBLE, DRJI, GIF, UGC, Zenodo

Issued w.e.f. Nov-2018 Issue

CERTIFICATE OF PUBLICATION

This is to certify that Research Paper/ Article/ Case Paper entitled

समावेशी शिक्षा में अध्ययनरत् सामान्य वर्ग की छात्राओं की लैंगिक समानता का अध्ययन

Authored By

Shakila Khan

has been published in Volume-5 | Issue-01 | Jan-2020 in this International Peer Reviewed ISSN Indexed Online Research Journal.

Ref. No. RRJ2020050128

Issued Date: 16-Jan-2020

editor.rrjournals@gmail.com

www.rrjournals.com

Certificate Verification visit: http://rrjournals.com/View-Certificate

RESEARCH REVIEW JOURNALS eISSN 2455-3085 AHMEDABAD

Chief Editor

Research Review Journals All R...

Scanned with CamScan

समावेशी शिक्षा में अध्ययनरत् सामान्य वर्ग की छात्राओं की लैंगिक समानता का अध्ययन

सार

समावेशी शिक्षा से तात्पर्य ऐसी शिक्षा से है जिसमें सभी वर्ग के सामान्य तथा विशिष्ट विद्यार्थियों को एक साथ एक ही विद्यालय में शिक्षा प्रदान की जाती है। जिससे बच्चों में समानता तथा समायोजन क्षमता का विकास समान रूप से हो। इस शोध पत्र में समावेशी शिक्षा का अध्ययन किया गया है जो की सामान्य वर्ग की छात्रों के लैंगिक अधिकारों के बारे में स्पष्ट रूप से उल्लेखित करता है ।

संकेत शब्द: समावेशी, शिक्षा, लैंगिक, अधिकार, विकास

परिचय

प्राचीन काल के भारत में महिलाओं का बहुत सम्मान किया जाता था। परन्तु जैसे–जैसे समय बीतता गया महिलाओं की स्थिति में भीषण बदलाव आया। महिलाओं के प्रति लोगों की राय बदलने लगी थी। उन्हें पुरूषों से निम्न समझा जाने लगा। बहुविवाह प्रथा, सति प्रथा, दहेज प्रथा, कन्या भ्रूण हत्या जैसे मामले उजागर होना एक आम बात बनने लगी थी। बिगड़ते हालातों को देखते हुए महान नेताओं तथा समाज सुधारकों ने इस दिशा में काम करने की ठानी। उनकी मेहनत का ही नतीजा था कि महिलाओं की बिगड़ती स्थिति पर काबू पाया जा सका।

भारत के आजाद होने के बाद महिलाओं की दशा में काफी सुधार हुआ है। उन्हें अब पुरूषों के समान अधिकार मिलने लगे हैं। आजादी के बाद बने भारत के संविधान में महिलाओं को वे सब लाभ, अधिकार व काम करने की स्वतंत्रता दी गयी हैं। वर्शों से अपने साथ होते बुरे सलूक के बावजूद महिलाएँ आज अपने आप को सामाजिक बेड़ियों से मुक्त पाकर और भी ज्यादा आत्मविश्वास से अपने परिवार, समाज तथा देश के भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही हैं।

हमारे देश की आधी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व महिलाएँ करती हैं। इसका मतलब देश की उन्नति का आधा भार महिलाओं पर और आधा पुरूषों के कंधे पर निर्भर करता है। आज महिलाएँ एक सफल समाज सुधारक, उद्यमी, प्रशासनिक सेवक, राजनायिक आदि हैं। हम ये तो नहीं कह सकते कि महिलाओं के हालात पूरी तरह बदल गये है पर पहले की तुलना में इस क्षेत्र में बहुत

Scanned with CamScanner